Gayatri Chalisa Lyrics with Meaning in English and Hindi

Gayatri Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
हीं श्रीं, क्लीं, मेधा, प्रभा, जीवन ज्योति प्रचण्ड । शांति, क्रांति, जागृति, प्रगति, रचना शक्ति अखण्ड ॥
जगत जननि, मंगल करनि, गायत्री सुखधाम । प्रणवों सावित्री, स्वधा, स्वाहा पूरन काम ॥

॥ चालीसा ॥
भूर्भुवः स्वः ॐ युत जननी । गायत्री नित कलिमल दहनी ॥

अक्षर चौबिस परम पुनीता । इनमें बसें शास्त्र, श्रुति, गीता ॥

शाश्वत सतोगुणी सतरुपा । सत्य सनातन सुधा अनूपा ॥

हंसारुढ़ सितम्बर धारी । स्वर्णकांति शुचि गगन बिहारी ॥

पुस्तक पुष्प कमंडलु माला । शुभ्र वर्ण तनु नयन विशाला ॥

ध्यान धरत पुलकित हिय होई । सुख उपजत, दुःख दुरमति खोई ॥

कामधेनु तुम सुर तरु छाया । निराकार की अदभुत माया ॥

तुम्हरी शरण गहै जो कोई । तरै सकल संकट सों सोई ॥

सरस्वती लक्ष्मी तुम काली । दिपै तुम्हारी ज्योति निराली ॥

तुम्हरी महिमा पारन पावें । जो शारद शत मुख गुण गावें ॥

चार वेद की मातु पुनीता । तुम ब्रहमाणी गौरी सीता ॥

महामंत्र जितने जग माहीं । कोऊ गायत्री सम नाहीं ॥

सुमिरत हिय में ज्ञान प्रकासै । आलस पाप अविघा नासै ॥

सृष्टि बीज जग जननि भवानी । काल रात्रि वरदा कल्यानी ॥

ब्रहमा विष्णु रुद्र सुर जेते । तुम सों पावें सुरता तेते ॥

तुम भक्तन की भक्त तुम्हारे । जननिहिं पुत्र प्राण ते प्यारे ॥

महिमा अपरम्पार तुम्हारी । जै जै जै त्रिपदा भय हारी ॥

पूरित सकल ज्ञान विज्ञाना । तुम सम अधिक न जग में आना ॥

तुमहिं जानि कछु रहै न शेषा । तुमहिं पाय कछु रहै न क्लेषा ॥

जानत तुमहिं, तुमहिं है जाई । पारस परसि कुधातु सुहाई ॥

तुम्हरी शक्ति दिपै सब ठाई । माता तुम सब ठौर समाई ॥

ग्रह नक्षत्र ब्रहमाण्ड घनेरे । सब गतिवान तुम्हारे प्रेरे ॥

सकलसृष्टि की प्राण विधाता । पालक पोषक नाशक त्राता ॥

मातेश्वरी दया व्रत धारी । तुम सन तरे पतकी भारी ॥

जापर कृपा तुम्हारी होई । तापर कृपा करें सब कोई ॥

मंद बुद्घि ते बुधि बल पावें । रोगी रोग रहित है जावें ॥

दारिद मिटै कटै सब पीरा । नाशै दु:ख हरै भव भीरा ॥

गृह कलेश चित चिंता भारी । नासै गा त्री भय हारी ॥२८ ॥

संतिति हीन सुसंतति पावें । सुख संपत्ति युत मोद मनावें ॥

भूत पिशाच सबै भय खावें । यम के दूत निकट नहिं आवें ॥

जो सधवा सुमिरें चित लाई । अछत सुहाग सदा सुखदाई ॥

घर वर सुख प्रद लहैं कुमारी । विधवा रहें सत्य व्रत धारी ॥

जयति जयति जगदम्ब भवानी । तुम सम और दयालु न दानी ॥

जो सदगुरु सों दीक्षा पावें । सो साधन को सफल बनावें ॥

सुमिरन करें सुरुचि बड़भागी । लहैं मनोरथ गृही विरागी ॥

अष्ट सिद्घि नवनिधि की दाता । सब समर्थ गायत्री माता ॥

ऋषि, मुनि, यती, तपस्वी, जोगी । आरत, अर्थी, चिंतित, भोगी ॥

जो जो शरण तुम्हारी आवें । सो सो मन वांछित फल पावें ॥

बल, बुद्घि, विघा, शील स्वभाऊ । धन वैभव यश तेज उछाऊ ॥

सकल बढ़ें उपजे सुख नाना । जो यह पाठ करै धरि ध्याना ॥

॥ दोहा ॥
यह चालीसा भक्तियुत, पाठ करे जो कोय । तापर कृपा प्रसन्नता, गायत्री की होय ॥

Gayatri Chalisa Meaning in Hindi

दोहा

हीं श्रीं, क्लीं, मेधा, प्रभा, जीवन ज्योति प्रचण्ड। शांति, क्रांति, जागृति, प्रगति, रचना शक्ति अखण्ड।

- **अर्थ:** हीं, श्रीं, क्लीं, मेधा, प्रभा, जीवन की प्रचंड ज्योति, शांति, क्रांति, जागृति, प्रगति और रचनात्मक शक्ति अनंत रूप से सम्पूर्ण हैं।

जगत जननि, मंगल करनि, गायत्री सुखधाम। प्रणवों सावित्री, स्वधा, स्वाहा पूरन काम।

- **अर्थ:** गायत्री, जगत की माता और मंगलकारी है, जो सुख का घर है। वह प्रणव, सावित्री, स्वधा और स्वाहा का रूप है, जो सभी कार्यों को पूरा करती है।

चालीसा

भूर्भुवः स्वः ॐ युत जननी। गायत्री नित कलिमल दहनी।

- **अर्थः** गायत्री माँ, जो ओम के साथ तीन लोकों की माता हैं, हमेशा कलिमल (पाप) को जलाने वाली हैं।

अक्षर चौबिस परम पुनीता। इनमें बसें शास्त्र, श्रुति, गीता।

- **अर्थः** गायत्री के अक्षर चौबीस हैं, जो परम पवित्र हैं, और इन अक्षरों में शास्त्र, श्रुति और गीता का वास है।

शाश्वत सतोगुणी सतरुपा। सत्य सनातन सुधा अनूपा।

- **अर्थः** गायत्री हमेशा सतोगुणी (सच्चाई और पवित्रता से युक्त), सतरुपा (सात रूपों वाली) हैं, और सत्य सनातन के अमृत का अद्वितीय रूप हैं।

हंसारुढ़ सितम्बर धारी। स्वर्णकांति शुचि गगन बिहारी।

- **अर्थः** गायत्री हंस की सवारी करने वाली, सितम्बर (नक्षत्र) से युक्त हैं, जिनकी स्वर्णमयी और शुद्ध आभा है, और जो आकाश में निवास करती हैं।

पुस्तक पुष्प कमंडलु माला। शुभ्र वर्ण तनु नयन विशाला।

- **अर्थः** गायत्री के पास पुस्तक, पुष्प, कमंडल और माला हैं, उनका शरीर शुभ्र वर्ण का है और उनकी आँखें विशाल हैं।

ध्यान धरत पुलकित हिय होई। सुख उपजत, दुःख दुरमति खोई।

- **अर्थ:** जो उनका ध्यान करते हैं, उनका हृदय पुलकित (आनंदित) हो जाता है, और सुख की प्राप्ति होती है, दुःख और गलत विचार समाप्त हो जाते हैं।

कामधेनु तुम सुर तरु छाया। निराकार की अदभुत माया।

- **अर्थ:** तुम कामधेनु (इच्छाओं को पूरा करने वाली) हो, जो देवों के वृक्ष के नीचे छाया देती हो, और तुम निराकार की अद्भुत माया हो।

तुम्हरी शरण गहै जो कोई। तरै सकल संकट सों सोई।

- **अर्थ:** जो भी तुम्हारी शरण में आता है, वह सारे संकटों से उबर जाता है।

सरस्वती लक्ष्मी तुम काली। दिपै तुम्हारी ज्योति निराली।

- **अर्थ:** तुम सरस्वती, लक्ष्मी और काली का रूप हो, और तुम्हारी ज्योति अद्वितीय और विशेष है।

तुम्हरी महिमा पारन पावें। जो शारद शत मुख गुण गावें।

- **अर्थ:** तुम्हारी महिमा वही व्यक्ति समझ सकते हैं, जो शारदा (विद्या की देवी) के सौ मुखों से तुम्हारे गुणों का गायन करते हैं।

चार वेद की मातु पुनीता। तुम ब्रहमाणी गौरी सीता।

- **अर्थ:** तुम चारों वेदों की माता हो, पवित्र हो, और ब्राह्मणी, गौरी और सीता का रूप हो।

महामंत्र जितने जग माहीं। कोऊ गायत्री सम नाहीं।

- **अर्थ:** सभी महामंत्रों में जो सबसे शक्तिशाली है, वह गायत्री मंत्र है, उसका कोई समान नहीं है।

सुमिरत हिय में ज्ञान प्रकासै। आलस पाप अविधा नासै।

- **अर्थ:** गायत्री का स्मरण करने से हृदय में ज्ञान का प्रकाश होता है, आलस्य और पाप नष्ट हो जाते हैं।

सृष्टि बीज जग जननि भवानी। काल रात्रि वरदा कल्यानी।

- **अर्थ:** तुम सृष्टि के बीज हो, जगत की माता भवानी हो, और काल रात्रि में वरदान देने वाली कल्याणी हो।

ब्रहमा विष्णु रुद्र सुर जेते। तुम सों पावें सुरता तेते।

- **अर्थ:** ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और सभी देवता तुम्हारी कृपा से ही अपनी स्मृति (स्मरण) प्राप्त करते हैं।

तुम भक्तन की भक्त तुम्हारे। जननिहिं पुत्र प्राण ते प्यारे।

- **अर्थ:** तुम अपने भक्तों के भक्त हो, और तुम उन भक्तों के लिए अधिक प्रिय हो, जिनके पास पुत्र और प्राण (जीवन) हैं।

महिमा अपरम्पार तुम्हारी। जै जै जै त्रिपदा भय हारी।

- **अर्थ:** तुम्हारी महिमा अपार है, तुम त्रिपदा (तीन चरणों वाली) हो, और तुम्हारे दर्शन से भय समाप्त हो जाता है।

पूरित सकल ज्ञान विज्ञाना। तुम सम अधिक न जग में आना।

- **अर्थ:** तुम सारे ज्ञान और विज्ञान को पूर्ण करने वाली हो, और तुम्हारा कोई समान नहीं है।

तुमहिं जानि कछु रहै न शेषा। तुमहिं पाय कछु रहै न क्लेषा।

- **अर्थ:** तुम्हें जानने के बाद कोई भी चीज शेष नहीं रहती, और तुम्हें प्राप्त करने के बाद कोई भी कष्ट नहीं रहता।

जानत तुमहिं, तुमहिं है जाई। पारस परसि कुधातु सुहाई।

- **अर्थ:** जो तुम्हें जानता है, वह सब कुछ पा जाता है। जैसे पारस (पत्थर) छूने से कांसा सोना बन जाता है, वैसे ही तुम हर चीज को उत्तम बना देती हो।

तुम्हारी शक्ति दिपै सब ठाई। माता तुम सब ठौर समाई।

- **अर्थ:** तुम्हारी शक्ति हर जगह प्रकाशमान होती है, माँ, तुम हर स्थान में समाई हुई हो।

ग्रह नक्षत्र ब्रहमाण्ड घनेरे। सब गतिवान तुम्हारे प्रेरे।

- **अर्थ:** ग्रह, नक्षत्र और ब्रह्मांड की सारी गति तुम्हारी प्रेरणा से होती है।

सकलसृष्टि की प्राण विधाता। पालक पोषक नाशक त्राता।

- **अर्थ:** तुम सृष्टि की प्राणदाता हो, पालन करने वाली हो, पोषण करने वाली हो और नाशक भी हो।

मातेश्वरी दया व्रत धारी। तुम सन तरे पतकी भारी।

- **अर्थ:** मातेश्वरी, जो दया और व्रत की धारिणी हो, तुम्हारी कृपा से भारी पापी भी तार जाते हैं।

जापर कृपा तुम्हारी होई। तापर कृपा करें सब कोई।

- **अर्थ:** जिस पर तुम्हारी कृपा होती है, उस पर सबकी कृपा बरसती है।

मंद बुद्घि ते बुधि बल पावें। रोगी रोग रहित है जावें।

- **अर्थ:** जो मंदबुद्धि होते हैं, वे तुम्हारी कृपा से बुद्धिमान हो जाते हैं, और जो रोगी होते हैं, वे रोग मुक्त हो जाते हैं।

दारिद मिटै कटै सब पीरा। नाशै दु:ख हरै भव भीरा।

- **अर्थ:** तुम्हारी कृपा से दरिद्रता मिटती है, सभी पीड़ा समाप्त होती है, और जन्म-मृत्यु के भय का नाश होता है।

गृह कलेश चित चिंता भारी। नासै गा त्री भय हारी।

- **अर्थ:** घर के कलेश और चित की भारी चिंता गायत्री के स्मरण से समाप्त हो जाती है, और भय समाप्त हो जाता है।

संतिति हीन सुसंतति पावें। सुख संपत्ति युत मोद मनावें।

- **अर्थ:** जो संतानहीन होते हैं, उन्हें गायत्री के स्मरण से उत्तम संतान मिलती है, और वह सुख, संपत्ति और आनंद प्राप्त करते हैं।

भूत पिशाच सबै भय खावें। यम के दूत निकट नहिं आवें।

- **अर्थ:** जो व्यक्ति गायत्री का ध्यान करते हैं, भूत, पिशाच और यम के दूत उनके पास नहीं आते।

जो सधवा सुमिरें चित लाई। अछत सुहाग सदा सुखदाई।

- **अर्थ:** जो महिलाएं गायत्री का ध्यान करती हैं, उनका सुहाग हमेशा बना रहता है और उनका जीवन सुखमय होता है।

घर वर सुख प्रद लहैं कुमारी। विधवा रहें सत्य व्रत धारी।

- **अर्थ:** जो कुंवारी लड़कियां गायत्री का ध्यान करती हैं, उन्हें सुखी वर मिलता है, और विधवा महिलाएं सत्य व्रतधारी रहती हैं।

जयति जयति जगदम्ब भवानी। तुम सम और दयालु न दानी।

- **अर्थ:** जय हो जय हो, जगदम्बा भवानी, तुम्हारे समान कोई और दयालु नहीं है।

जो सदगुरु सों दीक्षा पावें। सो साधन को सफल बनावें।

- **अर्थ:** जो व्यक्ति सदगुरु से दीक्षा प्राप्त करता है, वह अपने साधन को सफल बनाता है।

सुमिरन करें सुरुचि बड़भागी। लहैं मनोरथ गृही विरागी।

- **अर्थ:** जो व्यक्ति गायत्री का स्मरण करते हैं, वे श्रेष्ठ भाग्य वाले होते हैं, और उनके सभी मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं।

अष्ट सिद्घि नवनिधि की दाता। सब समर्थ गायत्री माता।

- **अर्थ:** गायत्री माता, जो अष्ट सिद्धियों और नव निधियों की दाता हैं, सब कुछ करने में समर्थ हैं।

ऋषि, मुनि, यती, तपस्वी, जोगी। आरत, अर्थी, चिंतित, भोगी।

- **अर्थ:** ऋषि, मुनि, यती, तपस्वी, जोगी, आरत, अर्थी, चिंतित और भोगी सभी तुम्हारी शरण में आते हैं।

जो जो शरण तुम्हारी आवें। सो सो मन वांछित फल पावें।

- **अर्थ:** जो भी तुम्हारी शरण में आता है, वह अपने मनवांछित फल को प्राप्त करता है।

बल, बुद्घि, विघा, शील स्वभाऊ। धन वैभव यश तेज उछ्छाऊ।

- **अर्थ:** गायत्री के जाप से बल, बुद्धि, विद्या, शील, स्वभाव, धन, वैभव, यश और तेज में वृद्धि होती है।

सकल बढ़ें उपजे सुख नाना। जो यह पाठ करै धरि ध्याना।

- **अर्थ:** सभी प्रकार के सुख बढ़ते हैं और जीवन में अनेक लाभ प्राप्त होते हैं, जो यह पाठ करते हैं और ध्यान करते हैं।

दोहा

यह चालीसा भक्तियुत, पाठ करे जो कोय। तापर कृपा प्रसन्नता, गायत्री की होय।

- **अर्थ:** जो कोई इस चालीसा का पाठ भक्तिपूर्वक करता है, उसकी जीवन में गायत्री की कृपा और प्रसन्नता बनी रहती है।

Gayatri Chalisa Lyrics in English

Dohas

**Heem Shreem, Kleem, Medha, Prabha, Jeevan Jyoti Prachand.
Shanti, Kranti, Jagriti, Pragati, Rachna Shakti Akhand.
Jagat Janani, Mangal Karani, Gayatri Sukhdaam. Pranavon Savitri, Swadha, Swaha Puran Kaam.**

Chalisa

Bhur Bhuvah Swah Om Yut Janani. Gayatri Nit Kalimal Dahani.

Akshar Choubis Param Poonita. Inmein Basen Shastra, Shruti, Gita.

Shashwat Satoguni Satrupa. Satya Sanatan Sudha Anupa.
Hansarudh Sitambar Dhari. Swarnkanti Shuchi Gagan Bihari.

Pustak Pushp Kamandal Mala. Shubhra Varn Tanu Nayan Vishala.
Dhyan Dharat Pulkit Hiy Hoi. Sukh Upjat, Dukh Durmati Khoi.

Kamdhenu Tum Sur Taru Chhaya. Nirakar Ki Adbhut Maya.
Tumhari Sharan Gahai Jo Koi. Tarai Sakal Sankat Son Soi.

Saraswati Lakshmi Tum Kali. Dipai Tumhari Jyoti Niraali.
Tumhari Mahima Paran Paaven. Jo Sharad Shat Mukh Gun Gaaven.

Char Veda Ki Matu Poonita. Tum Brahmani Gauri Sita.
Mahamantra Jitne Jag Mahin. Koi Gayatri Sam Nahi.

Sumirat Hiy Mein Gyaan Prakashai. Aals Pāp Avigha Naasai.
Srishti Beej Jag Janani Bhavani. Kaal Raatri Vardha Kalyani.

Brahma Vishnu Rudra Sur Jete. Tum Son Paaven Surta Tete.
Tum Bhaktan Ki Bhakt Tumhare. Jananihin Putra Pran Te Pyare.

Mahima Aparmpaar Tumhari. Jai Jai Jai Tripada Bhay Haari.
Poornit Sakal Gyaan Vijnana. Tum Sam Adhik Na Jag Mein Aana.

Tumhin Jani Kachhu Rahai Na Shesha. Tumhin Paay Kachhu Rahai Na Klesh.
Janaat Tumhin, Tumhin Hai Jaai. Paras Parisi Kudhaatu Suhaai.

Tumhari Shakti Dipai Sab Thayi. Mata Tum Sab Thaur Samayi.
Grah Nakshatra Brahmand Ghneere. Sab Gativan Tumhare Preere.

Sakal Srishti Ki Pran Vidhata. Paalak Posak Naashak Traata.
Mateshwari Daya Vrat Dhari. Tum San Tare Pataki Bhari.

Japar Kripa Tumhari Hoi. Taapar Kripa Karen Sab Koi.
Mand Buddhi Te Buddhi Bal Paaven. Rogi Rog Rahit Hai Jaaven.

Darid Mitai Katay Sab Peera. Naashai Dukh Hare Bhav Bhira.
Grih Klesh Chit Chinta Bhari. Naasai Ga Tree Bhay Haari.

Santiti Heen Susantiti Paaven. Sukh Sampatti Yut Mod Manaven.
Bhoot Pishach Sabai Bhay Khaven. Yam Ke Doot Nikat Nahi Aaven.

Jo Sadhwa Sumiren Chit Lai. Achhat Suhaag Sada Sukhdai.
Ghar Var Sukh Prad Lahen Kumari. Vidhwa Rahen Satya Vrat Dhari.

Jayati Jayati Jagdamba Bhavani. Tum Sam Aur Dayalu Na Daani.
Jo Sadguru Son Deeksha Paaven. So Sadhan Ko Safal Banaven.

Sumiran Karen Suruchi Badbhagi. Lahen Manorath Grihi Viragi.
Asht Siddhi Nav Nidhi Ki Data. Sab Samarth Gayatri Mata.

Rishi, Muni, Yati, Tapasvi, Yogi. Aart, Arthi, Chintit, Bhogi.
Jo Jo Sharan Tumhari Aven. So So Man Vanchhit Phal Paven.

Bal, Buddhi, Vidha, Sheel Swabhav. Dhan Vaibhav, Yash Tej Uchhav.
Sakal Badhain Upje Sukh Nani. Jo Yeh Paath Kare Dhari Dhyaney.

Dohas

Yeh Chalisa Bhaktiyut, Paath Kare Jo Koy. Taapar Kripa Prasannata, Gayatri Ki Hoy.

Gayatri Chalisa Meaning in English

Dohas

Heem Shreem, Kleem, Medha, Prabha, Jeevan Jyoti Prachand.
Shanti, Kranti, Jagriti, Pragati, Rachna Shakti Akhand.

- **Meaning:** Heem, Shreem, Kleem, Medha, Prabha, the powerful light of life, Shanti (peace), Kranti (revolution), Jagriti (awakening), Pragati (progress), and the unbroken creative power.

Jagat Janani, Mangal Karani, Gayatri Sukhdaam. Pranavon Savitri, Swadha, Swaha Puran Kaam.

- **Meaning:** Gayatri, the mother of the world, the giver of auspiciousness, the abode of happiness, who is the essence of Pranav, Savitri, Swadha, and Swaha, and who completes all tasks.

Chalisa

Bhur Bhuvah Swah Om Yut Janani. Gayatri Nit Kalimal Dahani.

- **Meaning:** Gayatri, the mother who is united with Om, always removes the dirt of the Kali Yuga.

Akshar Choubis Param Poonita. Inmein Basen Shastra, Shruti, Gita.

- **Meaning:** Gayatri has twenty-four sacred syllables, and in these reside the Shastras, Shruti, and Gita.

Shashwat Satoguni Satrupa. Satya Sanatan Sudha Anupa.

- **Meaning:** Gayatri is eternal, embodying the three qualities, especially Sattva (purity), in seven forms, and is the unmatched nectar of eternal truth.

Hansarudhh Sitambar Dhari. Swarnkanti Shuchi Gagan Bihari.

- **Meaning:** Gayatri is the one who rides the swan, wears the sky-blue attire, and shines like gold, residing in the pure sky.

Pustak Pushp Kamandal Mala. Shubhra Varn Tanu Nayan Vishala.

- **Meaning:** Gayatri holds a book, flowers, a kamandal (vessel), and a mala (rosary), her body is bright in color, and her eyes are large.

Dhyan Dharat Pulkit Hiy Hoi. Sukh Upjat, Dukh Durmati Khoi.

- **Meaning:** Those who meditate on Gayatri feel their heart filled with joy, bringing happiness and driving away all sorrows and wrong thinking.

Kamdhenu Tum Sur Taru Chhaya. Nirakar Ki Adbhut Maya.

- **Meaning:** Gayatri is like Kamdhenu, the divine cow of wish fulfillment, and the incredible, formless magic.

Tumhari Sharan Gahai Jo Koi. Tarai Sakal Sankat Son Soi.

- **Meaning:** Whoever takes refuge in you, Gayatri, will be freed from all kinds of troubles.

Saraswati Lakshmi Tum Kali. Dipai Tumhari Jyoti Niraali.

- **Meaning:** Gayatri embodies Saraswati (the goddess of wisdom),

Lakshmi (the goddess of wealth), and Kali (the goddess of power), and her light is unique.

Tumhari Mahima Paran Paaven. Jo Sharad Shat Mukh Gun Gaaven.

- **Meaning:** Your glory is infinite, and those who sing your praises with a hundred mouths like Sharada (goddess of knowledge) attain the highest wisdom.

Char Veda Ki Matu Poonita. Tum Brahmani Gauri Sita.

- **Meaning:** You are the mother of the four Vedas, pure and sacred, embodying Brahmani, Gauri, and Sita.

Mahamantra Jitne Jag Mahin. Koi Gayatri Sam Nahi.

- **Meaning:** Among all the great mantras in the world, none can compare to the Gayatri mantra.

Sumirat Hiy Mein Gyaan Prakashai. Aals Pāp Avigha Naasai.

- **Meaning:** By meditating on Gayatri, the light of knowledge shines in the heart, and laziness, sin, and obstacles are destroyed.

Srishti Beej Jag Janani Bhavani. Kaal Raatri Vardha Kalyani.

- **Meaning:** Gayatri is the seed of creation, the mother of the world,

Bhavani, who is the giver of blessings during night and dawn, and brings auspiciousness.

Brahma Vishnu Rudra Sur Jete. Tum Son Paaven Surata Tete.

- **Meaning:** All the gods, Brahma, Vishnu, Rudra, and the devas, get their wisdom and remembrance from you.

Tum Bhaktan Ki Bhakt Tumhare. Jananihin Putra Pran Te Pyare.

- **Meaning:** You are the devotee of your devotees, and the ones who serve you are dearer than life and children.

Mahima Aparmpaar Tumhari. Jai Jai Jai Tripada Bhay Haari.

- **Meaning:** Your glory is boundless. Victory to you, Tripada, who removes all fears.

Poornit Sakal Gyaan Vijnana. Tum Sam Adhik Na Jag Mein Aana.

- **Meaning:** You complete all knowledge and science, and no one is equal to you in the world.

Tumhin Jani Kachhu Rahai Na Shesha. Tumhin Paay Kachhu Rahai Na Klesh.

- **Meaning:** Once someone knows you, nothing is left for them to

attain, and by your grace, no pain or suffering remains.

Janaat Tumhin, Tumhin Hai Jaai. Paras Parisi Kudhaatu Suhaai.

- **Meaning:** Those who understand you, their life is transformed, like how touching the philosopher’s stone turns metal into gold.

Tumhari Shakti Dipai Sab Thayi. Mata Tum Sab Thaur Samayi.

- **Meaning:** Your power shines everywhere, and as a mother, you are present in all places.

Grah Nakshatra Brahmand Ghneri. Sab Gativan Tumhare Prere.

- **Meaning:** All the planets, stars, and galaxies move under your guidance.

Sakalasrishti Ki Pran Vidhata. Paalak Posak Naashak Traata.

- **Meaning:** You are the creator, sustainer, protector, and destroyer of the entire creation.

Mateshwari Daya Vrat Dhari. Tum San Tare Pataki Bhari.

- **Meaning:** You are the goddess of mercy, who carries the vow of compassion, and with your grace, even the most sinful can be saved.

Japar Kripa Tumhari Hoi. Taapar Kripa Karen Sab Koi.

- **Meaning:** Whosoever is blessed by your grace, their every action becomes blessed, and others also start to show kindness to them.

Mand Buddhi Te Buddhi Bal Paaven. Rogi Rog Rahit Hai Jaaven.

- **Meaning:** Those with dull intellect gain wisdom, and the sick are freed from their ailments.

Darid Mitai Katay Sab Peera. Naashai Dukh Hare Bhav Bhira.

- **Meaning:** Poverty, pain, and all kinds of suffering are removed, and one is saved from the cycle of birth and death.

Grih Klesh Chit Chinta Bhari. Naasai Ga Tree Bhay Haari.

- **Meaning:** Household problems, worries, and heavy hearts are all removed, and fear vanishes with the chanting of Gayatri.

Santiti Hin Susantiti Paaven. Sukh Sampatti Yut Mod Manaven.

- **Meaning:** Those who lack children will find them, and those who worship Gayatri will find happiness, wealth, and satisfaction.

Bhoot Pishach Sabai Bhay Khaven. Yam Ke Doot Nikat Nahin Aaven.

- **Meaning:** All ghosts, evil spirits, and Yam’s messengers stay away from those who worship Gayatri.

Jo Sadhwa Sumiren Chit Lai. Achhat Suhaag Sada Sukhdai.

- **Meaning:** Women who meditate on Gayatri always have a blessed and joyful married life.

Ghar Var Sukh Prad Lahen Kumari. Vidhwa Rahen Satya Vrat Dhari.

- **Meaning:** Unmarried women find happiness in their marriages, and widows remain firm in their vows, living peacefully.

Jayati Jayati Jagdamba Bhavani. Tum Sam Aur Dayalu Na Daani.

- **Meaning:** Hail, hail to Jagdamba Bhavani, there is no one more compassionate and kind than you.

Jo Sadguru Son Deeksha Paaven. So Sadhan Ko Safal Banaven.

- **Meaning:** Those who take initiation from a true guru will successfully complete their spiritual practices.

Sumiran Karen Suruchi Badbhagi. Lahen Manorath Grihi Viragi.

- **Meaning:** Those who meditate with pure devotion will find their

wishes fulfilled and achieve detachment.

Asht Siddhi Nav Nidhi Ki Data. Sab Samarth Gayatri Mata.

- **Meaning:** Gayatri Mata is the giver of the eight siddhis and nine treasures, all powerful and capable.

Rishi, Muni, Yati, Tapasvi, Yogi. Aart, Arthi, Chintit, Bhogi.

- **Meaning:** Rishis, munis, yogis, ascetics, beggars, and everyone who seeks her grace gets their desires fulfilled.

Jo Jo Sharan Tumhari Aven. So So Man Vanchhit Phal Paven.

- **Meaning:** Whoever comes to your refuge will attain all their desired goals.

Bal, Buddhi, Vidya, Sheel Swabhav. Dhan Vaibhav, Yash Tej Uchhav.

- **Meaning:** By your grace, one attains strength, wisdom, knowledge, virtues, wealth, prosperity, fame, and glory.

Sakal Badhain Upje Sukh Naaney. Jo Yeh Paath Kare Dhari Dhyaney.

- **Meaning:** All kinds of happiness and prosperity arise for those who

perform this path with devotion and focus.

Dohas

Yeh Chalisa Bhaktiyut, Paath Kare Jo Koy. Taapar Kripa Prasannata, Gayatri Ki Hoy.

- **Meaning:** This Chalisa, when read with devotion, brings the blessings and joy of Gayatri’s grace.